

संपादकीय

विवादित विरासत

कहा जाता है कि अगर कोई याद किया जाना चाहता है, तो उसे या तो पढ़ने लायक कुछ लिखना चाहिए या फिर लिखने लायक कुछ करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने दोनों ही काम किए। पिछले एक दशक में, मैं सुप्रीम कोर्ट के कई मुख्य न्यायाधीशों के सामने पेश हुआ हूँ, फिर भी जस्टिस चंद्रचूड़ की विरासत के बारे में लिखना जरूरी है। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद भारतीय न्यायपालिका में शायद सबसे बड़ी क्रांति का नेतृत्व किया—ई-कोर्ट प्रणाली जिसने न्याय तक पहुँच को काफी हद तक बढ़ाया है। इस प्रक्रिया में जस्टिस चंद्रचूड़ की महत्वपूर्ण भूमिका—पहले इसके कार्यान्वयन की देखरेख करने वाली समिति के अध्यक्ष के रूप में और बाद में मुख्य न्यायाधीश के रूप में—क्रांतिकारी और महत्वपूर्ण थी। उन्होंने न्यायपालिका को इस तरह से आधुनिक और विकेंद्रीकृत किया कि अब इसमें धनिकतंत्र और एकाधिकारवाद से लड़ने की क्षमता है। वे बैच पर एक लोकतांत्रिक व्यक्ति थे जिन्होंने हर वकील के साथ समान व्यवहार करने की कोशिश की और साधारण वकीलों को भी प्रोत्साहित किया। वे अपने व्यवहार में नरम थे, जबकि बुद्धि में मजबूत थे। उन्होंने वकीलों द्वारा कड़ी मेहनत से किए जाने वाले शोध को सम्मान दिया। मुझे यह तब महसूस हुआ जब मैंने संविधान पीठ के समक्ष जोसेफ शाइन (2018) मामले में न्याचिकार्कर्ता के लिए दलीलें दीं, जिसके कारण भारत में व्यभिचार को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ हमेशा कड़ी मेहनत करते थे। एक गिनती के अनुसार, उन्होंने मुख्य न्यायाधीशों के रूप में 93 फैसले लिखे—एक ऐसा रिकॉर्ड जो शायद कभी नहीं टूट सकता। सुप्रीम कोर्ट में अपने आठ वर्षों के दौरान, उन्होंने कुल 613 फैसले लिखे। जॉन स्टुअर्ट मिल ने कहा था कि भाषा दिमाग की रोशनी है। और कानूनी भाषा एक विश्लेषणात्मक बुद्धि की रोशनी है। चंद्रचूड़ के पास एक प्रभावी भाषा थी—सरल, फिर भी सुन्दर और शक्तिशाली। उन्हें फैसले लिखने की कला पसंद थी। जो लोग शब्दकोश की मदद से न्यायमूर्ति वी आर कृष्ण अथ्यर की भाषाई उत्कृष्टता की नकल करने की असफल कोशिश करते हैं, उन्हें निर्वत्मन मुख्य न्यायाधीश से सीख लेनी चाहिए। वह मौलिक विचारों वाले व्यक्ति थे जिन्हें उन्होंने सीधे—सादे गद्य में व्यक्त किया। उन्होंने पुट्टस्वामी (2017) मामले में गोपनीयता के बचाव में वाकपटुता से लिखा। नवतेज सिंह जौहर (2018) में सहमति से समलैंगिक संबंधों को अपराध से मुक्त करना एक और मील का पत्थर था। हालाँकि, जब सुप्रियो बनाम भारत संघ (2023) की बात आई, तो समलैंगिक विवाह का समर्थन करने से इनकार करने पर उन लोगों की आलोचना हुई जिन्होंने इसके लिए वकालत की थी। दविंदर सिंह (2024) में, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के माध्यम से बोलते हुए पीठ के बहुमत ने आरक्षण के उद्देश्य से समुदायों के उप-वर्गीकरण को मान्य किया। संवैधानिक समाजवाद भारतीय न्यायिक भाषा में एक विवादित विचार रहा है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि संपत्ति मालिकों के संघ (2024) मामले में मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के फैसले ने बैच पर और उसके बाहर एक वैचारिक बहस को जन्म दिया है। उन्होंने संघ (2024) में जारीर्पि तथा अन्य न्यायाधीशों के फैसले को बताया है।

दया ह। उहान रगनाथ रङ्गा (1977) म न्यायमूल कृष्ण अच्युत द्वारा विकसित संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) पर समाजवादी दृष्टिकोण से असहमति जताई और आर्थिक लोकतंत्र की वकालत की। इस पर दो दृष्टिकोण हो सकते हैं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया द्वारा उसी निर्णय में कृष्ण अच्यर के दृष्टिकोण का असहमति के माध्यम से बचाव करना, इस विषय पर बौद्धिक विचार-विमर्श की गुणवत्ता को दर्शाता है। चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने यूपी मदरसा अधिनियम की वैधता को बरकरार रखा। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मामले में, चंद्रचूड़ द्वारा लिखित बहुमत के दृष्टिकोण ने अजीज बाशा (1967) के फैसले को पलट दिया, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त करने के लिए संस्था की स्थापना और प्रशासन की दोहरी आवश्यकता बताई गई थी। अपने अंतिम कार्य दिवस पर दिए गए फैसले में उदारवादी दृष्टिकोण ने कहा कि यदि कोई संस्था अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा स्थापित की जाती है तो यह पर्याप्त है। मीडियावन (2023) मामले में, उन्होंने अभियक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखा और टेलीविजन चौनल पर प्रतिबंध हटाने का निर्देश दिया। हालांकि, चंद्रचूड़ के कुछ निर्णयों के निष्कर्षों पर विचार भिन्न हो सकते हैं। एम सिद्धीक बनाम महंत सुरेश दास (2019), जिसे अयोध्या मामले के रूप में जाना जाता है, में कई लोग उनके विचारों का समर्थन करते हैं, जबकि कई अन्य उनका विरोध करते हैं। मुझे निष्कर्षों के बारे में गंभीर संदेह है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (2024) मामले में चुनावी बॉन्ड पर फैसला महत्वपूर्ण रहा है, हालांकि इसने बॉन्ड खरीद के लिए राजनीतिक दलों द्वारा कथित रूप से किए गए गुप्त सौदों को फिर से खोलने और जांच करने से इनकार कर दिया। जब तक कश्मीर के विशेष दर्जे पर मामला तय हुआ, तब तक समय को पीछे मोड़ना लगभग असंभव हो गया था। तब भी, एक बुरी मिसाल जो केंद्र को अचानक राज्य का दर्जा छीनने में सक्षम बना सकती थी, से बचा जा सकता था। इसी तरह, केंद्र के आश्वासन पर आँख मूंदकर भरोसा करके राज्य का दर्जा बहाल करने की समय सीमा तय करने में विफलता एक गंभीर गलती थी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने बहुसंख्यकवाद के कठिन दौर में एक कठिन रास्ता तय किया।

भारत में आर्थिक पुनर्जागरण का एक नया युग

ललित कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के खचाखच भरे सभागार में, प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री जगदीश भगवती ने भारत के परिवर्तन के पैमाने से मेल खाते आत्मविश्वास के साथ बात की। उनके शब्दों में गर्व और प्रगति की भावना गूंज रही थी। भारत की आर्थिक स्थिति में पूरी तरह से बदलाव आया है। पुराने दिनों में, विश्व बैंक भारत को बताता था कि उसे क्या करना है, लेकिन अब, भारत विश्व बैंक को बताता है कि उसे क्या करना है। हम पूरी तरह से एक नए युग में पहुँच गए हैं। उनके कथन ने भारत की असाधारण यात्रा को पूरी तरह से अभियक्त किया – एक ऐसी अर्थव्यवस्था जो कभी बाहरी मार्गदर्शन का पालन करती थी, अब एक ऐसी अर्थव्यवस्था को आकार देती है। विश्व बैंक हालिया भारत विकास अपडेट इस आर्थिक परिवर्तन को रेखांवित किया, जिसमें वित्त वर्ष 2024–के लिए 7% की मजबूत जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया गया साथ ही भविष्य के लिए भी इतरह के सकारात्मक पूर्वानुमान हैं। इसने यह भी नोट किया कि भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, जिसकी वृद्धि वित्त वर्ष 2022–23 में 7.0% बढ़कर वित्त वर्ष 2023–24 साल–दर–साल 8.2% हो गई है। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा का वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक डेटाबेस ने बताया कि भारत जीडीपी रैंकिंग में उल्लेखनीय रूप से उत्तराधिकारी बन गया हुआ है, जो 2013–14 में 100 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से बढ़कर 100 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है।

शब्दों से वाक्य बनते हैं और वाक्यों से किताबें और ग्रंथ बनते

कोचिंग और तैयारी के बीच संतुलन

विनोद
कोटि

काचगं, स्कूल आर नाट युज
की तैयारी में संतुलन बनाना आसान
नहीं है, लेकिन स्मार्ट टाइम
नैनेजेंमेंट से आप तीनों में सफल
हो सकते हैं। अपने काम के लिए
प्राथमिकताएँ निर्धारित करें, निर्धारित
समय सारिणी का पालन करें
कोचिंग सत्रों का अच्छा उपयोग
करें और स्वरूप दिनचर्या अपनाएँ
एनईईटी यूजी तैयारी

यदि आपके पास अच्छा समय प्रबंधन कौशल है तो आप बिना कोई व्यय करके इन तीन क्षेत्रों में संतुलन बना सकते हैं नीट युजी 2025 रु कोचिंग, स्कूल और नीट युजी की तैयारी का प्रबंधन करना असंभव लग सकता है, लेकिन सावधानीपूर्वक समय प्रबंधन के साथ यह संभव है। भारत में सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक नीट युजी है, जिसके लिए प्रतिबद्धता और दृढ़ता की आवश्यकता होती है। कोचिंग सत्र और स्कूल पाठ्यक्रम के साथ बने रहने से चुनौती और भी बढ़ जाती है। यदि आपके पास अच्छा समय प्रबंधन कौशल है तो आप बिना

थके इन तीन क्षेत्रों में सतुरलन बहुत सकते हैं। अपना कैलेंडर सेट कर उसका अधिकतम लाभ उठाने अनियन्त्रित अध्ययन—जीवन में अच्छा संतुलन बनाए रखने के लिए यहाँ कुछ युक्तियाँ दी गई हैं। 1. कार्य प्राथमिकताएँ बनाएँ संक्षिप्त लेख सम्मिलित करें प्राथमिकताएँ निर्धारित करना कुशल समय प्रबंधन विद्या में पहला कदम है। प्रत्येक कार्य के महत्व को पहचानें, चाहे वह नीट युजी की तैयारी हो, प्रशिक्षण कार्य हो या शिक्षक हों। कार्यों को उनके महत्व, कठिनाई और समस्या सीमा के अनुसार पदानुक्रम क्रमबद्ध करें। उदाहरण के लिए नीट युजी पर अधिक ध्यान देने वाला आवश्यकता है क्योंकि यह आपको अंतिम उद्देश्य है। हालाँकि, स्कूलवाले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह आवश्यक विषयों को सुदृढ़ करने में मरता करता है जो नीट युजी पाठ्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं।

— 11 —

ਪੰਜਾਬ

ये नीट एवं सामिल विषय सरेखित हों तो अवधि आरणा पुनरीक्षण में कम समय लगता है। ब्रेक शामिल करके अध्ययन सत्रों के दौरान संक्षिप्त लेकिन नियमित विराम लेने से एकाग्रता और आउटपुट में सुधार हो सकता है। पोमोडोरो विधि जैसी रणनीतियों का उपयोग करें, जिसमें आपको 25 मिनट तक अध्ययन करना होता है और फिर पांच मिनट का ब्रेक लेना होता है। साप्ताहिक पुनरीक्षण योजनाएँ बनाएँ रु संपादन के लिए सत्त्वाहांत पर समय अलग रखें। शाम को नीट युजी सामग्री और दिन के दौरान स्कूल सामग्री की समीक्षा करें। 3. नीट युजी कोचिंग का उपयोग करें नीट युजी की तैयारी में कोचिंग से काफी मदद मिलती है, जो व्यवस्थित निर्देश और दिशा प्रदान करती है। कोचिंग को एक केंद्रित अध्ययन सत्र की तरह अपनाकर इसका लाभ उठाएं। अपने स्कूल और एनईईटी यूजी तैयारी के बीच वैचारिक संरेखण बनाए रखें। यदि आपके कोचिंग कार्यक्रम और स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल विषय सरेखित हों तो अवधि आरणा पुनरीक्षण में कम समय लगता है। नीट युजी की तैयारी में मदद

के लिए कोचिंग असाइनमेंट और होमवर्क का उपयोग करें। कोचिंग कक्षाओं से प्रश्नों का अभ्यास करें रु कोचिंग संस्थानों द्वारा अक्सर बहुत सारे एनईईटी यूजी—स्तरीय प्रश्न और मॉक परीक्षाएँ पेश की जाती हैं। महत्वपूर्ण विषयों की अपनी समझ को बेहतर बनाने के लिए उनका उपयोग करें।

कोचिंग सत्र के दौरान, अपने किसी भी संदेह का समाधान करें। ऐसा न करेंबाद में प्रश्नों का उत्तर देने के लिए प्रतीक्षा करें ये भ्रम से बचने के लिए तुरंत प्रश्न पूछें। व्यावहारिक अध्ययन के तरीके प्रभावशीलता के मामले में प्रत्येक अध्ययन घंटा एक जैसा नहीं होता है। ऐसी रणनीतियाँ अपनाएँ जो समझ और धारण में सुधार लाएँ। यहां कई तकनीकें हैं जो सक्रिय स्मरणरू निष्क्रिय रूप से पढ़ने के बजाय, आपके द्वारा अध्ययन किए गए विचारों को सक्रिय रूप से याद रखने का लक्ष्य निर्धारित करें। इससे समझ और याददाश्त में सुधार होता है।

अंतराल पर दोहराव

इस तकनीक में समान विषयों को उत्तरोत्तर लंबे अंतराल पर दोहराना शामिल है। मॉक परीक्षाओं का अभ्यास करें। परीक्षा पैटर्न सीखने, अपना समय मापने और अपने कमजोर बिंदुओं को पहचानने का सबसे अच्छा तरीका लगातार नीट यूजी मॉक टेस्ट का अभ्यास करना है।

एनईईटी यूजी परीक्षा परिदृश्य का अनुकरण करने से बेहतर तैयारी आती है। 5. कल्याण और स्वास्थ्य स्कूल, कोचिंग और एनईईटी यूजी की तैयारी को संतुलित करने के लिए आवश्यक ऊर्जा की आपूर्ति के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य बनाए रखना आवश्यक है। छात्र अक्सर अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि पढ़ाई में बिताया गया हर घंटा बर्बाद हो जाता है। फिर भी, अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने से एकाग्रता और उत्पादकता में सुधार होता है। अच्छे से आराम करें आपके मस्तिष्क को ठीक से काम करने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद की जरूरत होती है।

इस तकनीक में समान विषयों को उत्तरोत्तर लंबे अंतराल पर दोहराना शामिल है। मॉक परीक्षाओं का अभ्यास करें। परीक्षा पैटर्न सीखने, अपना समय मापने और अपने कमज़ोर बिंदुओं को पहचानने का सबसे अच्छा तरीका लगातार नीट युजी मॉक टेस्ट का अभ्यास करना है।

एनईईटी यूजी परीक्षा परिदृश्य का अनुकरण करने से बेहतर तैयारी आती है। 5. कल्याण और स्वास्थ्य स्कूल, कोंचिंग और एनईईटी यूजी की तैयारी को संतुलित करने के लिए आवश्यक ऊर्जा की आपूर्ति के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य बनाए रखना आवश्यक है। छात्र अक्सर अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि पढ़ाई में बिताया गया हर घंटा बर्बाद हो जाता है। किर भी, अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने से एकाग्रता और उत्पादकता में सुधार होता है। अच्छे से आराम करें आपके मस्तिष्क को ठीक से काम करने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद की जरूरत होती है।

में अगले कुछ दशकों में विकास की मजबूत दर हासिल करने के लिए सभी आवश्यक चीजें मौजूद हैं। पिछले 10 वर्षों में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, और यहाँ एक गतिशीलता, एक उद्यमशीलता की भावना और एक सुधारावादी रवैया है जो मुझे कई देशों में नहीं दिखता।” परेरा के शब्द महत्वाकांक्षा, लचीलेपन और दूरदर्शिता के अनूठे मिश्रण पर जोर देते हैं जो भारत के आर्थिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ा रहा है। भारत की विकास कहानी का एक और महत्वपूर्ण स्तंभ बुनियादी ढांचा रहा है। भारतमाला परियोजना और पीएम गति शक्ति जैसी प्रमुख परियोजनाओं ने देश के परिवहन और रसद क्षेत्रों को बदल दिया है। पिछले 5 वर्षों में, 24,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्गों का निर्माण किया गया है, जिससे यात्रा

